Content

:: अनुक्रम ::

अध्याय : एक : विषय-प्रवेश §पृ. 1-52§

प्रास्ताविक — युगनिर्माता प्रेमचन्द — युगीन परिवेश — उपन्यास और युगीन बोध — युगीन चेतना और तत्कालीन सामाजिक-राजनीतिक-धार्मिक आंदोलन — लेखक के वैयक्तिक जीवन का उसकी रचनात्मकता पर प्रभाव —शैशव-कालीन प्रभाव — सृजन और जीवनानुभव — प्रेमचन्द का जीवन: संक्षिप्त परिचय — आलोचय विषय-सीमा से सम्बद्ध प्रेमचंद का कथा साहित्य ४४x- निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय : दो : प्रेमचन्द का जीवन-संघर्ष §पृ. 53-103§

प्रास्ताविक — शैशवकालीन संघर्ष — आर्थिक एवं पारि-वारिक संघर्ष — सामाजिक राजनीतिक एवं वैचारिक संघर्ष — शैक्षिक एवं साहित्यिक संघर्ष — निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

अध्याय : तीन : शैशवकालीन संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में प्रेमचन्दजी का कथा-साहित्य §पृ. 104-140§

प्रास्ताविक —§क§ गरीबी और अभाव — §ख§ भया-क्रान्त स्थिति — §ग§ माता की मृत्यु — §घ§ विमाता का त्रास — §च§ पिता की उपेक्षा — निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

अध्याय : चार : आर्थिक एवं पारिवारिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में प्रेमचन्दजी का कथा-साहित्य §पृ. 141-190§

प्रास्ताविक §अ§ आर्थिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में ... /1/ लेखकीय दृष्टि — /2/ वस्तु-संकलना /3/ लेखकीय संवेदना /4/ धन का अभाव —1. बच्चों की असमय मृत्यु — 2. धनाभाव के कारण सामाजिक समस्याएँ — 3. गृहण की समस्या — 4. स्वास्थ्य की समस्या — 5. किसान से मजदूर , मजदूर से असामाजिक — /घ/ ऋण की समस्या ।
§आ§ पारिवारिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में ... /क/ परिवार का टूटना : बंटवारा — /ख/ सौतेली मां का व्यवहार — /ग/ पिता-पुत्र में तनाव — /घ/ पति-पत्नी में खटराग — /च/ सास-बहू तथा भाभी-ननद के झगड़े —
निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

अध्याय : पांच : सामाजिक एवं राजनीतिक या वैचारिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में प्रेमचन्दजी का कथा-साहित्य §पृ. 191-244§

§अ§
प्रास्ताविक — सामाजिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में ....
/क/ नारी-शिक्षा — /ख/ दहेज समस्या — /ग/ विधवा की स्थिति — /घ/ अनमेल विवाह — /च/ जातिवाद — /छ/ दलित समस्या — /ज/ हिन्दू-मुस्लिम समस्या — /झ/ धार्मिक भ्रष्टाचार ।
§आ§ राजनीतिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में ... /क/ विदेशी सत्ता के प्रति विद्रोह — /ख/ भारत की सामान्य गरीब जनता में विश्वास — /ग/ गांधीवाद में श्रद्धा से क्रमशः अश्रद्धा की ओर — /घ/ गांधीवादी नेताओं से मोहभंग — /च/ हिन्दू-मुस्लिम समस्या ।
निष्कर्ष — संदर्भानुक्रम ।

अध्याय : छः : धार्मिक एवं साहित्यिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में प्रेमचन्दजी के कथा-साहित्य का अनुशीलन §पृ. 245-281§

प्रस्तावना -- §अ§ शैक्षिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में ...
/क/ प्राथमिक शिक्षा का संघर्ष -- /ख/ माध्यमिक तथा उच्चशिक्षा हेतु किया गया संघर्ष -- /ग/ अध्यापकीय जीवन से सम्बद्ध संघर्ष ।

§आ§ साहित्यिक संघर्ष के परिप्रेक्ष्य में .... स्वाध्याय -- स्थापित होने हेतु किया गया संघर्ष -- साहित्य के कारण समाज तथा सरकार से संघर्ष -- "हंस" और "जागरण" के कारण किया गया संघर्ष ।
निष्कर्ष -- सन्दर्भानुक्रम ।

अध्याय : सात : उपसंहार §पृ. 282-294§

समग्राकलन — उपलब्धियां — संभावनाएं ।

सन्दर्भिका §पृ 296-302§

परिशिष्ट - /1/ उपजीव्य ग्रंथों की सूची
परिशिष्ट - /2/ सहायक ग्रंथों की सूची §हिन्दी§
परिशिष्ट - /3/ सहायक ग्रंथों की सूची §अंग्रेजी§
परिशिष्ट - /4/ पत्र-पत्रिकाएं

ळळळळळळळळळळळळ ×××××××××× ळळळळळळळळळळळळ